गरबा महोत्सव | आस्था और संस्कृति का संगम, नवभारत के कला रात्रि गरबा महोत्सव में उमड़ा जनसैलाब, डिंडोरी के कोरियोग्राफर आज देंगे विशेष प्रस्तुति

माता रानी के जयकारों से गूंजा मंडला, गरबा महोत्सव में उमड़ा आस्था का सैलाब

गरबा ग्राउंड में माता महाकाली के दिव्य स्वरूप में रेविका बजाज, अपने मनमोहक नृत्य से बिखेर रहीं अद्भुत छटा

मंडला 29 सितंबर नभाप्र. नवरात्रि के पावन अवसर पर माता रानी के जयकारों और भक्ति के सुरों ने सोमवार की रात मंडला को जगमगा दिया। नवभारत मीडिया पार्टनर व कला रात्रि गरबा महोत्सव का शुभारंभ दिव्य वातावरण में हुआ। जैसे ही आयोजक मंडल ने दीप प्रज्वलित कर मां दुर्गा की आरती शुरू की, पूरा पंडाल, गरबा ग्राउंड भक्तिभाव से झूम उठा। मां के दरबार में सैकड़ों श्रद्धालु संगठित होकर हाथ जोड़ भक्ति में लीन हो गए। ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच श्रद्धालु भक्त नृत्य करते और मां की महिमा का गुणगान गाते दिखाई दिए। ऐसा लगा मानो पूरा नगर एक साथ जागरण की भक्ति में रम गया हो।

रंग-बिरंगे परिधान धारण किए मातृभक्तों ने पारंपरिक ताल पर गरबा प्रस्तुत किया। उनकी आंखों में आस्था की गहराई और मन में अपने आराध्य के चरणों में समर्पण की भावना स्पष्ट झलक रही थी। दिन भर बीच-बीच में रिमझिम तो कभी तेज बारिश हुई, मगर आस्था की लौ और भक्तिमय उत्साह इतना प्रबल था कि मौसम की बाधाएं भी क्षणिक लगीं। भक्तजन माता के भजनों और पारंपरिक गीतों

पर देर रात तक थिरकते रहे।

वहीं वातावरण गूंज रहा था, जय माता दी की ऊर्जावान पुकारों से। भक्ति महक से सराबोर इस आयोजन के लिए प्रशासन और आयोजकों ने विशेष तैयारी की थी। सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था और पार्किंग की सुविधाओं से लेकर बारिश से बचाव के उपाय भी किए गए। इससे श्रद्धालुओं का मनोबल दोगुना रहा और सभी ने बिना किसी असुविधा के नवरात्र की रात को जागरण की तरह संजोया।

पूरा नगर भक्ति में डूबा

आज की संध्या में गरबा महोत्सव का भक्तिरस और गहराने वाला है। डिंडोरी से आए विशेष अतिथि व कोरियोग्राफर आदर्श एडी परस्ते अपनी टीम के साथ गरबा प्रस्तुति देंगे। इसके लिए अलग मंच व साउंड सिस्टम तैयार किया गया है, जिससे भक्तिमय लहरें और भी प्रबल होंगी। नवरात्रि पर्व का यह आयोजन केवल एक सांस्कृतिक उत्सव नहीं बल्कि मातृशक्ति के प्रति समर्पण और आस्था का विराट प्रतीक बनकर सामने आया है। देर रात तक श्रद्धालु माता की महिमा का गुणगान करते रहे, मानो पूरा नगर एक साथ भक्ति में डूबकर माता रानी के चरणों में जागरण कर रहा था। इस आध्यात्मिक और भावनात्मक गरबा महोत्सव ने नवरात्रि की रात को सचमुच भव्य जगराते का स्वरूप दे दिया।

राजीव कॉलोनी बजरंग चौक में बाघ के बच्चे वाली माँ दुर्गा प्रतिमा बनी आकर्षण का केंद्र

1989 से निरंतर हो रही प्रतिमा स्थापना

महिष्मति घाट की तर्ज पर हुई भव्य महाआरती

मंडला 29 सितंबर नभाप्र. नव शक्ति दुर्गोत्सव समिति राजीव कॉलोनी बजरंग चौक द्वारा शारदेय नवरात्र में स्थापित माता रानी की प्रतिमा इस वर्ष नगरवासियों और श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बन गई है। समिति वर्ष 1989 से निरंतर माता रानी की प्रतिमा विराजित करती आ रही है। इस वर्ष स्थापित प्रतिमा अत्यंत आकर्षक और मनमोहक है, जिसमें माता रानी कमल के पुष्प पर विराजित हैं और उनकी गोद में बाघ के बच्चे को बैठाया गया है। माता रानी का यह अनोखा एवं प्रभावशाली स्वरूप सोशल मीडिया पर भी तहलका मचा चुका है, जहाँ हजारों लोग इस प्रतिमा की प्रशंसा कर रहे हैं।

महिष्मति घाट की तर्ज पर महाआरती :

समिति द्वारा महिष्मति घाट मंडला की तर्ज पर महाआरती का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें जिले के गणमान्य अधिकारी और भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, जनपद पंचायत अध्यक्ष सोनू भलावी, नीरज अग्रवाल और अभाविप विभाग संगठन मंत्री रामधार सिंह बैंस सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने माता रानी के दरबार में पहुंचे।

समिति आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन न केवल भक्ति भावना को बल देते हैं, बल्कि समुदाय में एकजुटता और सामाजिक सौहार्द को भी बढ़ावा देते हैं। समिति ने सभी श्रद्धालुओं से इस पावन अवसर पर माता रानी के दर्शन कर उनकी कृपा प्राप्त करने की आव्हान किया है।

शिव बारात के बाद लगा महाकाल का दरबार, शिव भक्ति में लीन होकर झूमे श्रद्धालु

देवरी कला बबलिया में शिव महापुराण कथा में उमड़ा जनसैलाब, धूमधाम से मनाया गया शिव-पार्वती विवाह उत्सव

बबलिया 29 सितंबर नभाप्र. नवरात्रि के पावन पर्व पर सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति देवरी कला बबलिया में आयोजित शिव महापुराण कथा में इन दिनों शिव भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। महाकाल सेवक लक्ष्मीकांत महाराज अपनी अमृतमय वाणी से धर्म प्रेमियों को कथा श्रवण करा रहे हैं। कथा में प्रतिदिन शिव भक्तों की बढ़ती संख्या विशेषकर मातृशक्ति पहुंच रही है। लक्ष्मीकांत महाराज ने कथा में भगवान भोलेनाथ की अपार कृपा, सोमवार व्रत का महत्व और सती माता जी की कथा का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार दक्ष यज्ञ में अपमान न सह पाने के कारण सती ने अग्नि प्रवेश किया और बाद में हिमाचल के यहाँ जन्म लेकर कठिन तपस्या के बाद पुनः भगवान भोलेनाथ को पति रूप में प्राप्त किया। आयोजित कथा में सबसे बड़ा आकर्षण शिव-पार्वती विवाह उत्सव रहा, जिसे बड़े धूमधाम से मनाया गया। शिव बारात शिव मंदिर से निकलकर दुर्गा पंडाल तक पहुँची, जहाँ आतिशबाजी के साथ बारातियों का भव्य स्वागत किया गया और पूरी-हलवा का महाप्रसाद वितरित किया गया। शिव पंडाल के नीचे महिला, पुरुष और बच्चों ने आनंदित होकर थिरक-थिरक कर नृत्य किया और महाआरती की गई। महाआरती के बाद पंडाल में महाकाल का दरबार भी लगा। परम पूज्य गुरुदेव लक्ष्मीकांत द्वारा दुख निवारण के लिए महाकाल के दरबार में भक्तों के आवेदन लगाए गए और उन्हें उनकी समस्याओं का निदान बताया गया, जिससे श्रद्धालु दुख रहित होकर अपने गृह आश्रम को गए। दुर्गा उत्सव समिति ने सभी धर्म प्रेमियों से आग्रह किया है कि माता भगवती और शिव पुराण के इस अमृत वर्षा का धर्म लाभ उठाकर अपने जीवन को धन्य बनाएँ।

जन अभियान परिषद ने छात्रों और समितियों को बताया आत्मनिर्भर भारत का महत्व

नारायणगंज में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर स्वदेशी जागरण सप्ताह का आगाज

नारायणगंज 29 सितंबर नभाप्र. मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् मंडला विकासखंड नारायणगंज द्वारा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम की कक्षाओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती मनाई गई और 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले स्वदेशी जागरण सप्ताह अभियान का भी विधिवत आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा द्वारा माँ सरस्वती के चल चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। विकासखंड समन्वयक अनिल कुमार मेहरा ने कार्यक्रम की रूपरेखा का विस्तार से वर्णन किया और एमसीएमसी डीपी कक्षाओं के संचालन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बताया कि इन कक्षाओं का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करना और उन्हें सामुदायिक विकास के कार्यों से जोड़ना है। इस अवसर पर सभी परामर्शदाता एवं नवांकुर समितियों के सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने स्वदेशी जागरण और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करने का संदेश दिया।

डेढ़ माह की मासूम जिंदगी और मौत से जूझ रही, फेफड़ों में इंफेक्शन

एक पिता ने लगाई मदद की गुहार

मंडला 29 सितंबर नभाप्र. मंडला जिले के निवास नगर निवासी राहुल बर्मन की डेढ़ माह की मासूम बेटी श्रीसा बर्मन इस समय जिंदगी और मौत की जंग लड़ रही है। नार्मल डिलीवरी से जन्मी इस नन्हीं परी को अचानक फेफड़ों में गंभीर इंफेक्शन हो जाने के कारण उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। बताया गया कि बच्ची को तत्काल जबलपुर के आयुष्मान हॉस्पिटल के पीआईसीयू में भर्ती कराया गया है, जहाँ वह वर्तमान में ऑक्सीजन सपोर्ट पर है। बताया गया कि श्रीसा के पिता राहुल बर्मन एक छोटी ऑनलाइन दुकान चलाते हैं। बेटी के इलाज में वह अपनी सारी जमा पूंजी लगा चुके हैं, लेकिन गंभीर संक्रमण के कारण इलाज का खर्च लगातार बढ़ रहा है। अब पैसों की कमी के चलते इलाज जारी रख पाना उनके लिए अत्यंत मुश्किल हो गया है। एक असहाय पिता अपनी बेटी की धड़कनों को जिंदा रखने के लिए समाज के हर वर्ग से भावुक गुहार लगा रहा है। राहुल बर्मन ने अपील की है कि आपकी छोटी सी आर्थिक मदद नन्हीं श्रीसा की जिंदगी को बचा सकती है।

भक्तों ने की अष्टमी की पूजा, चढ़ाई अठवाई, देवीमय हुआ शहर, गूंज रहे जयकारे

कही रतजगा तो कही खेल रहे गरबा, आज होगी माँ के नौवें रूप की आराधना

मंडला 29 सितंबर नभाप्र. शारदेय नवरात्र में जगतजननी की आराधना भक्तों द्वारा की जा रही है। घरों में, देवी मंदिरों में, देवी पंडालों में भक्ति भाव से पूजा अर्चना का क्रम जारी है। देवी पंडालों व सिद्धपीठों में अष्टमी मनाकर, आठें चढ़ाई गई। सुबह से देवी भक्तों का मंदिरों में आठें चढ़ाने का क्रम चलता रहा। अष्टमी को सुबह से ही मां के दरबार में भक्तों का तांता लगा रहा। भक्त अल सुबह से ही माता के दरबार पहुंचना शुरू हो गया। जलाभिषेक व पूजा-अर्चना के साथ जयकारे लगाकर माथा टेका। वहीं महिलाओं ने अठवाई चढ़ाकर मां की पूजा-अर्चना की। जैसे जैसे दिन बढ़ता गया। भक्तों की कतारें मंदिरों में बढ़ने लगी। सुबह से देर देर शाम तक देवी मंदिरों में अठवाई चढ़ाई जाती रही। अष्टमी के दिन कन्या भोजन कराया गया।

निवास में माता सिंहवाहिनी की प्राण प्रतिष्ठा की मनाई 10वीं वर्षगांठ

भक्ति और उल्लास में डूबा निवास

मां सिंहवाहिनी की हुई महाआरती

प्रतिदिन हो रहा देवी जस

मंडला 29 सितंबर नभाप्र. नवरात्रि के पावन अवसर पर निवास और आसपास का क्षेत्र धर्ममय हो गया है। बस स्टैंड पिपरिया निवास में विराजी माता सिंहवाहिनी की प्राण प्रतिष्ठा के दस वर्ष पूर्ण होने पर चौकसे परिवार द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी एक भव्य आयोजन किया गया। पंचमी तिथि पर माता जी का विशेष श्रृंगार किया गया, जिसके बाद बड़े साज-बाज के साथ महाआरती का आयोजन हुआ। इस दौरान एक विशेष आयोजन किया गया, जिसमें माता जी की झाँकी बनाकर कन्याओं द्वारा केक कटवाया गया, जो भक्तों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। महाआरती संपन्न होने के बाद भक्तों को विशेष महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीण श्रद्धालु मौजूद रहे और माता जी की भक्ति में लीन होकर महाआरती में भाग लिया। परिवार के सदस्यों ने बताया कि नवरात्रि पर प्रतिदिन महाआरती का आयोजन माता के दरबार में किया जा रहा है, और रात्रि में मंडलियों द्वारा देवी जस का आयोजन भी किया जा रहा है। माता सिंहवाहिनी की भव्य झाँकी और महाप्रसाद का वितरण पूरे आयोजन के दौरान विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा।

स्वास्थ्य शिविर | जबलपुर और नागपुर के विशेषज्ञ डॉक्टर देंगे सेवाएं

जिला चिकित्सालय में हृदय रोग एवं आंख की सर्जरी का लगेगा विशेष शिविर

मंडला 29 सितंबर नभाप्र. स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत जिला चिकित्सालय मंडला में 1 अक्टूबर को मेगा शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में हृदय रोग, आंख की समस्या और अन्य बीमारियों से ग्रसित हितग्राहियों को उपचार का लाभ दिया जाएगा। शिविर में ब्लॉक स्तर पर चिन्हित किए गए बच्चों को विशेष रूप से शामिल किया जाएगा। बताया गया कि मेगा शिविर में हृदय रोग से संबंधित समस्याओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों की ईको जांच की जाएगी और समस्या पाए जाने पर उनका नि:शुल्क उपचार कराया जाएगा। 18 वर्ष से ऊपर के हितग्राहियों के लिए भी आवश्यकतानुसार ईसीजी और इको जाँच की सुविधा उपलब्ध रहेगी। आंख से संबंधित रोगों की भी जांच परीक्षण मेगा शिविर में किया जाएगा। जिसमें बच्चों में मोतियाबिंद, आँख में तिरछापन और आरओपी जैसी समस्याओं के लिए चिन्हांकन कर सर्जरी की व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ ही शिशु रोग से संबंधित जनरल सर्जरी, स्त्री रोग संबंधी समस्याएँ और ऑर्थोपेडिक हड्डी रोग समस्याओं की भी जाँच की जाएगी। आवश्यकता होने पर बच्चों की नि:शुल्क सर्जरी कराई जाएगी।

निजी चिकित्सालयों के विशेषज्ञ देंगे सेवाएं

बताया गया कि इस मेगा शिविर में निजी चिकित्सालयों के विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएँ देंगे, जिनमें गैलेक्सी हॉस्पिटल जबलपुर, सराक्षी आई हॉस्पिटल नागपुर, नायक हॉस्पिटल, अनंत हॉस्पिटल और गोल्डन हॉस्पिटल जबलपुर शामिल हैं। जिला चिकित्सालय मंडला के सिविल सर्जन डॉ. विजय सिंह धुर्वे ने जन सामान्य से अपील की है कि कोई भी हितग्राही जो किसी भी बीमारी से ग्रसित है, वह शिविर में आकर उपचार का लाभ ले। उन्होंने विशेष रूप से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 0 से 18 साल तक के हृदय रोग एवं आँख की समस्या से संबंधित बच्चों को नि:शुल्क उपचार लेने की अपील की है।

मेगा शिविर में बच्चों के जटिल नेत्र रोगों का होगा उपचार

स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सराक्षी आई नेत्रालय नागपुर द्वारा 1 अक्टूबर को जिला चिकित्सालय मंडला में अपनी विशेष सेवाएं देगी। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य सामुदायिक स्तर पर चिन्हित किए गए बच्चों की जटिल नेत्र समस्याओं का उपचार करना है। विशेष रूप से रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमेच्योरिटी, भेंगापन, आँख में तिरछापन और मोतियाबिंद से ग्रसित बच्चे, जिनकी पहले स्क्रीनिंग हो चुकी है, उन्हें शिविर में आने के लिए सूचित किया गया है। इसके साथ ही जिन वयस्कों को भी आँखों में किसी प्रकार की समस्या है, वे भी इस शिविर में आकर जांच करा सकते हैं। इन वयस्कों का उपचार आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत नि:शुल्क किया जाएगा।

श्रृद्धा और सुमन की देवी हैं बड़ी माई, यहां होती है मनोकामना पूर्ण

मंडला. श्रृद्धा और सुमन की देवी हैं बड़ी माई, जो बालई नदी के तट पर धवा के वृक्ष के नीचे विराजमान मां बड़ी माई में श्रृद्धालुओं की भीड़ नवरात्र पर्व में लगी रहती है। खेरमाई, शीतलामाई, बड़ी माई, ये तीनो देवियों जो कई पीढ़ियो से नारायणगंज में विराजमान हैं। ऐसा यहां के बुजूर्ग बताते है। जहां महिलाएं, बच्चे, श्रृद्धाभाव के साथ पूजन के लिए पहुंचते है। प्रात: 4 बजे से श्रृद्धालुओं का आने का क्रम प्रारंभ हो जाता है। स्थानीय लोगों के अलावा बाहर से भी श्रृद्धालु यहां दर्शन करने आते हैं। जिनकी भभूती से ही अनेक रोगों का निराकरण होता हैं।